जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ
उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ

मुख्यमंत्री से डब्ल्यू0आर0जी0 के अधिकारियों ने मुलाकात की

डब्ल्यू0आर0जी0 के अधिकारियों ने उ0प्र0 की सिंचन व्यवस्था, नदियों एवं नहरों के विकास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी सराहना विश्वस्तर पर हो रही है

बैठक के दौरान मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव सिंचाई सम्मानित

बैठक में जलपुरुष राजेन्द्र सिंह भी मौजूद

लखनऊ : 14 दिसम्बर, 2015

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से आज उनके सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर डब्ल्यू0आर0जी0 के अधिकारियों ने मुलाकात की। इनमें डब्ल्यू0आर0जी0 के निदेशक एण्डर्स बर्नटेल, एशिया और मिडिल ईस्ट के को–हेड बेस्टीनन मोहर्न, इण्डियन कोऑर्डिनेटर एन्नेलिके लैनिंगा, इण्डिया वाटर पार्टनरशिप सेक्रेटरी वीना खण्डूरी तथा श्री फ्रेड्रिक सम्मिलित थे। इस अवसर पर 'जलपुरुष' श्री राजेन्द्र सिंह भी मौजूद थे।

इस मौके पर डब्ल्यू0आर0जी0 के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश की सिंचन व्यवस्था, नदियों एवं नहरों के विकास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी सराहना विश्वस्तर पर हो रही है। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन को प्रदेश में करोड़ों वृक्ष लगवाने तथा जनपद फतेहपुर में ससुर खडेरी नदी के पुनर्जीवीकरण तथा हिण्डन नदी के पुनर्जीवीकरण के लिए 'प्रोटेक्टर ऑफ दि इनविरनमेण्ट अवार्ड–2015' प्रदान किया गया। साथ ही, प्रमुख सचिव सिंचाई श्री दीपक सिंघल को भी प्रदेश में नदियों के अधिकार तथा प्रदेश में चल रहे विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए वाटर एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड–2015 प्रदान किया गया। यह दोनों पुरस्कार तरुण भारत संघ

के श्री राजेन्द्र सिंह 'जलपुरुष' तथा दि फ्लो पार्टनरशिप यू0के0 के निदेशक श्री फिलिप फ्रांसेस की तरफ से प्रदान किए गए।

मुलाकात के दौरान हिण्डन एवं उसकी सहायक नदियों काली पूर्व एवं किशनी के पुनर्जीवन हेतु विजन डॉक्यूमेन्ट्स तैयार करने के सम्बन्ध में भी चर्चा हुई। यह डॉक्यूमेन्ट उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग, डब्ल्यू0आर0जी0–2030 तथा तरुण भारत संघ के श्री राजेन्द्र सिंह 'जलपुरुष' तथा अन्य स्टेक होल्डर्स के माध्यम से अगले 3 माह में तैयार किया जाना है। इसके लिए पहले हिण्डन नदी में वर्षा के पानी का संचय करते हुए पानी बढ़ाने के विभिन्न विकल्पों का अध्ययन करने, हिण्डन एवं सहायक नदियों में विभिन्न सीवेज इण्डस्ट्रियल एफ्युलेन्ट्स तथा विभिन्न प्रकार के प्रदूषण की अद्यतन स्थिति को मालूम करने के तरीकों पर भी विचार किया जाना है। इस मौके पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक स्टीयरिंग कमेटी गठित करते हुए समस्त स्टेक होल्डर्स की जिम्मेदारी तय किए जाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

बैठक के दौरान डब्ल्यू0आर0जी0–2030 एवं अन्य संस्थाओं के सहयोग से नदियों के पुनर्जीवन एवं जल प्रबन्धन के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का ज्ञान केन्द्र बनाए जाने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग के लोगो का डब्ल्यू0आर0जी0–2030 द्वारा प्रयोग करने के सम्बन्ध में अपनी सहमति प्रदान की।

इस अवसर पर नदियों के पुनर्जीवन हेतु विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय स्टेक होल्डर एवं फण्डिंग एजेन्सी को उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग एवं डब्ल्यू0आर0जी0–2030 के सहयोग से विभिन्न योजनाओं के लिए वित्तीय संसाधन प्राप्त करने का प्रयास करने पर भी चर्चा हुई। साथ ही, प्रदेश में 32 हजार राजकीय नलकूप, 249 लघु डाल नहर एवं 28 मध्यम वृहद डाल नहर को सौर ऊर्जा से संचालन हेतु डब्ल्यू0आर0जी0–2030 के सहयोग से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ग्रीन फण्ड को लिए जाने का प्रयास करने पर भी विचार–विमर्श हुआ।

————————

सम्पर्क सूत्रः मीडिया विषेशज्ञ, पैक्ट मो0-9412205971
email-isbr27@gmail.com फैक्स 0522-2237664